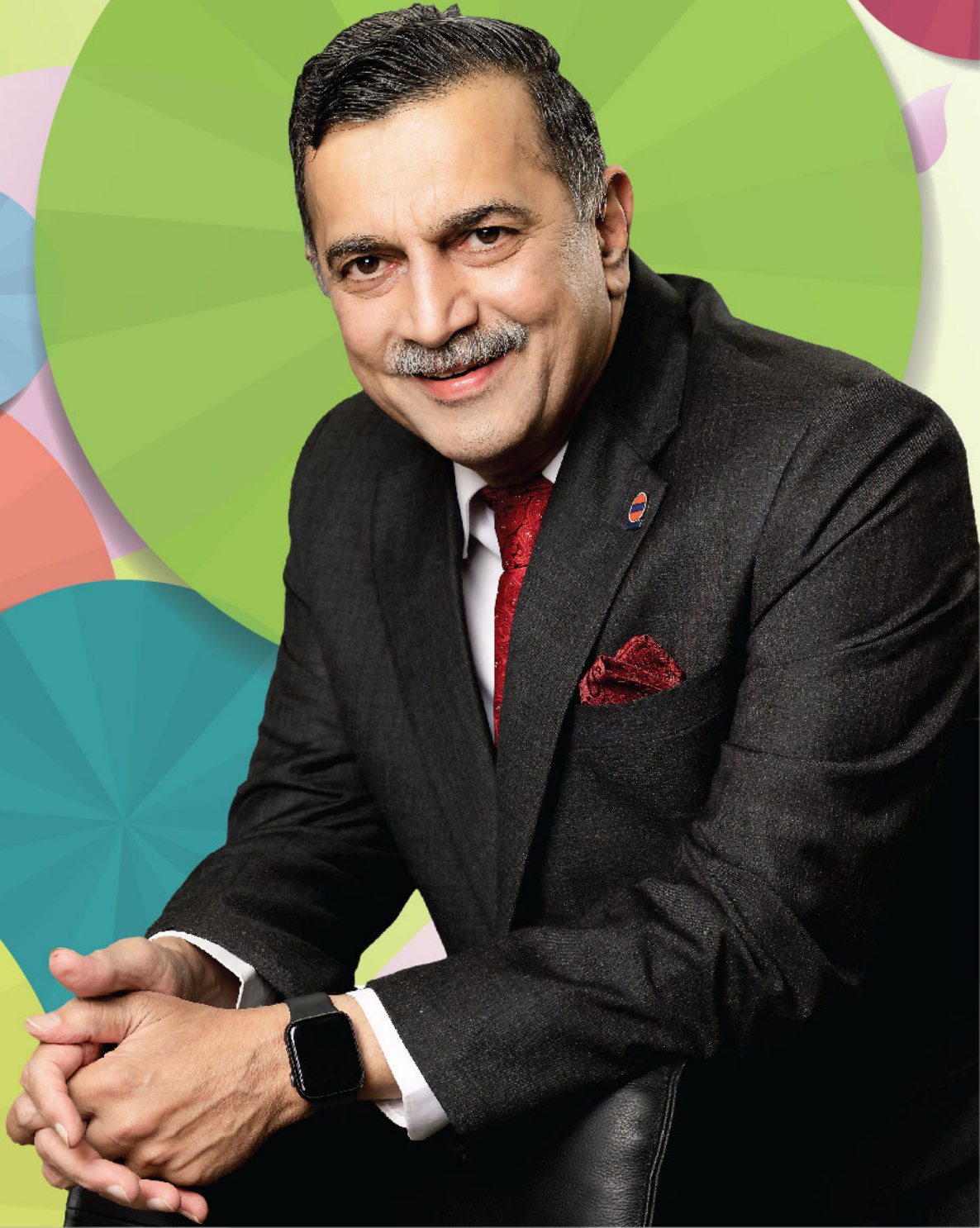


हरित भविष्य हेतु दृढ़ संकल्पित

नववर्ष 2023
के अवसर पर
अध्यक्ष का
भाषण



मेरे प्रिय आईओसियन, आपको सुखमय और खुशहाल, 2023 की शुभकामनाएं!

एक और नया साल आ गया है जो अपने साथ खोज करने, नए दृष्टिकोणों पर मंथन करने, और नए अवसर लेकर लाया है। प्रसिद्ध लेखिका माया एंजेलो के शब्दों में, “यदि आप आगे की ओर बढ़ते हैं, तो यह आपको बदलाव के नए कदम रखने का अवसर देता है”। और आइए, 2023 का स्वागत उम्मीद, लक्ष्यों और संकल्पों के साथ करें ताकि इसका भरपूर लाभ उठाया जा सके।

हर नया साल, खुद को पिछले साल से बेहतर बनाने का संकल्प लेकर आता है। यह आशावाद टीमों, संगठनों और समुदायों के लिए भी उतना ही सच है। इंडियनऑयल परिवार की ओर से बोलते हुए, मैं गर्व से कह सकता हूँ कि “2022—हरित भविष्य की ओर” शानदार रहा, और हम अभूतपूर्व हरित पहलों के साथ-साथ पारंपरिक व्यवसाय की नई बुलंदियों पर पहुंच गए। इस वर्ष, हम इसे अधिक फोकस और इरादे के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

देवियों और सज्जनों, मुझे 2023 को “सुदृढ़ हो हरित संकल्प” का वर्ष घोषित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। आगे बढ़ते हुए, हम नए हरित अवसरों की तलाश करेंगे तथा देश और वैश्विक मंच पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए सहयोग के नए आयाम खोजेंगे। गंभीर संकल्प तभी मायने रखते हैं जब हमारे पास ठोस कार्यों के साथ उनका समर्थन करने की ताकत और दृढ़ विश्वास हो।

पिछले साल, हमारी 63वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान, हमने 2046 तक अपने प्रचालन में नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए इंडियनऑयल की प्रतिबद्धता की घोषणा की थी। इंडियनऑयल की उत्कृष्टता के सफर में यह एक ऐतिहासिक क्षण था। एक सदी से अधिक समय से, ऊर्जा व्यवसाय दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में अहम भूमिका निभाता रहा है। लेकिन उद्योग का सामाजिक और पर्यावरणीय नेतृत्व उतना निर्णायक नहीं रहा जितना कि वर्तमान समय में है। स्वच्छ, हरित और स्वस्थ कल अग्रणी होने के नाते, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा उद्योग के सक्षम कंधों पर टिका हुआ है। इंडियनऑयल को 2070 तक भारत के नेट जीरो लक्ष्य को पूरा करने में सशक्त करना है। यह गर्व की बात है कि इंडियनऑयल हमारी नेट जीरो प्रतिबद्धताओं को हासिल करने के लिए एक निश्चित कार्य-योजना के साथ काम करने वाले कुछ कॉर्पोरेटों में से एक है।

जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो 2022 वास्तव में एक असाधारण वर्ष था क्योंकि हमने कड़ी चुनौतियों और बदलावों के बावजूद पिछले वित्तीय वर्ष में अपने परिचालन द्वारा सर्वाधिक राजस्व और शुद्ध लाभ अर्जित किया। हमने सर्वो और आरएंडडी केंद्र की स्वर्ण जयंती का जश्न मनाया। हमने भारत की हरित हाइड्रोजन आकांक्षाओं को साकार करने के लिए एलएंडटी और रिन्यू पॉवर के साथ तथा हरित ऊर्जा के लिए एनटीपीसी के साथ शानदार सहयोग करने की दिशा में पहल की। हमने ऊर्जा क्षेत्र में नई खोज के कई नए अध्याय लिखे हैं, जिन्होंने देश की आत्मनिर्भर आकांक्षाओं में महत्वपूर्ण



IndianOil

IndianOil announces to achieve
Net-Zero Operational Emissions by the year

2046

योगदान दिया है। आत्मनिर्भरता की बात करें तो स्वदेशी रूप से निर्मित एवीगैस-100एलएल की पहली खेप को सितंबर में इंडियन एयरफोर्स के हिंडन एयरबेस के लिए गुजरात रिफाइनरी से हरी झंडी दिखाई गई थी। पलाइंग स्कूल इस ईंधन का इस्तेमाल पिस्टन इंजन वाले विमानों के लिए करते हैं और अब तक इस ईंधन की पूरी आपूर्ति आयात की जा रही थी। ईंधन की स्वदेशी उपलब्धता ने भारत में विमानन ईंधन परिदृश्य को बदल दिया है और एक बार फिर इंडियनऑयल के नेतृत्व और अनुसंधान कौशल को बढ़ाया है। हाल ही में इंडियनऑयल द्वारा पहला निर्यात ऑर्डर हासिल करने के साथ, भारत बहुत कम समय में इस उत्पाद का आयातक होने से एक निर्यातक के रूप में उभरा है। हमें ‘मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड’ के विजन को मजबूत करने पर बेहद गर्व है।

पिछले साल, हमने हरित ऊर्जा में अपनी अग्रणी स्थिति को मजबूत करने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए थे। इस दिशा में, जैव ईंधन ने नई पीढ़ी के स्थायी ऊर्जा समाधान की पेशकश करके इस वादे को पूरा किया है। कृषि अपशिष्ट और अवशेषों का उपयोग करने के कारण वे ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक विकास यात्रा को बढ़ावा दे सकते हैं। पानीपत में इंडियनऑयल 2जी इथेनॉल संयंत्र, जो एशिया की पहली 2जी (दूसरी पीढ़ी) इथेनॉल जैव-रिफाइनरी है, हर साल लगभग तीन लाख मीट्रिक टन जीएचजी (ग्रीनहाउस गैस) उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगी। इसे चालू करने की



अध्यक्ष, पानीपत रिफाइनरी में युवा आईओसियन्स के साथ

गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं और यह लगभग 2 लाख टन धान के पुआल का उपयोग करके प्रति वर्ष तीन करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन करने के लिए तैयार है। पानीपत में हमारा 3जी इथेनॉल संयंत्र भी पूरा होने के उन्नत चरण में है। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने में तेजी लाने को ध्यान में रखते हुए, ये परियोजनाएँ महत्वपूर्ण होंगी। यहां, मैं यह जोड़ना चाहता हूँ कि पिछले साल सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा कंपनी ने निर्धारित समय से छह महीने पहले जून में 10% इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य हासिल किया था। इस वर्ष, हम इसे आगे बढ़ाएंगे और जल्द ही चुनिंदा ईंधन स्टेशनों से 20% तक इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईवीपी) की बिक्री करेंगे। 2025 तक, हमारा लक्ष्य पूरे देश में 20% सममिश्रण लक्ष्य हासिल करना है।

टीम इंडियनऑयल पेट्रोल और डीजल से परे पारंपरिक ईंधन में हरित ऊर्जा को शामिल करके जैव ईंधन की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। पानीपत में, हम लांजा टेक और लांजा जेट के सहयोग से एक सतत विमानन ईंधन संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में, हमने इस उल्लेखनीय अभियान को आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री की उपस्थिति में ऐतिहासिक आशय-विवरण पर हस्ताक्षर किए थे।

हम भारत में अक्षय ऊर्जा की क्षमता को लेकर भी उत्साहित हैं। धूप और हवा की प्रचुरता के साथ, इंडियनऑयल अक्षय ऊर्जा क्षमता को मौजूदा 240 मेगावाट से बढ़ाकर 2026 तक लगभग 5 गीगावाट और 2046 तक 12 गीगावाट करने की ओर अग्रसर हैं। यह इंडियनऑयल के नेट जीरो सफर में जरूरी होगा। आने वाले वर्ष में, हम इंडियनऑयल रिफाइनरियों की 650 मेगावाट बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अक्षय ऊर्जा आधारित विद्युत परियोजनाओं को संचालित करने के लिए एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन करेंगे।

आने वाले समय में, एक संभावित गेम-चेंजर, जिसकी मैंने अक्सर चर्चा की है, वह है हाइड्रोजन मोबिलिटी। भारत इस क्षेत्र में अग्रणी बनने की बेहतर स्थिति में है, और इंडियनऑयल इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इंडियनऑयल द्वारा गुजरात में भारत का पहला हाइड्रोजन वितरण स्टेशन स्थापित किया गया है, जो प्रतिदिन 75 बसों में ईंधन भर सकता है। दो बसों का परीक्षण के तौर पर परिचालन शुरू हो चुका है। हमारी टीम भी स्वदेशी ईंधन सेल तकनीक विकसित करने के लिए लगन से काम कर रही है, और फिलहाल ईंधन सेल बसों के साथ

इसके एकीकरण के लिए परीक्षण चल रहे हैं। हम ईंधन सेल प्रौद्योगिकी की प्रभावकारिता, दक्षता और अन्य प्रदर्शन मापदंडों को स्थापित करने के लिए एनसीआर में 15 ईंधन सेल बसों को ईंधन देंगे। इस महीने के अंत में 2 बसों की पहली खेप की डिलीवरी होने की उम्मीद है।

अपने हरित अभियान में तेजी लाते हुए, पारंपरिक ईंधन व्यवसाय पर हमारा ध्यान सतत रूप से जारी है। वास्तव में, 2022 की उथल-पुथल वाली भू-राजनीतिक घटनाओं ने दिखाया है कि कैसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं को भी अपनी ऊर्जा बॉस्केट में फेरबदल करना पड़ा है और पारंपरिक ईंधन की ओर उन्मुख होना पड़ा है। मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि इंडियनऑयल ने 'भारत की ऊर्जा' के रूप में पूरी निष्ठा से अपनी भूमिका निभाई है और देश को ऊर्जा के क्षेत्र में उतार-चढ़ाव का सामना करने में उल्लेखनीय रूप से मदद की है। चूंकि उत्पाद में गिरावट काफी अधिक थी, इसलिए निजी कंपनियों ने संकट के बीच भी ईंधन का निर्यात करके लाभ को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित किया। दूसरी ओर, इंडियनऑयल ने ईंधन के आयात को बढ़ाकर किसी भी कमी की भरपाई करने की पूरी कोशिश की और चरम भू-राजनीतिक संकट के दौरान भी, हमारी टीमों ने सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित की और 35,000 ईंधन स्टेशनों से अनवरत ईंधन आपूर्ति जारी रही।

इन भू-राजनीतिक उथल-पुथल और महामारी के व्यापक प्रभाव ने हमारे विस्तृत निवेश के कदम को काफी हद तक सही ठहराया है। मैं आपको यह विश्वास दिलाता हूँ कि हमारे सक्रिय प्रयास निश्चित रूप से दीर्घावधि में हमारे व्यापार नेतृत्व को सुदृढ़ करेंगे।

ये निवेश अगले कुछ दशकों में हमारे सामने आने वाले बेशुमार अवसरों का लाभ उठाने पर केंद्रित हैं। वर्ष 2022 के दौरान, इंडियनऑयल बोर्ड ने 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को हरी झंडी दी। इनमें से कुछ परियोजनाओं का उद्देश्य हमारी डामर उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करना है। भारत की कनेक्टिविटी में सुधार और राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार करने के लिए भारत सरकार के ठोस प्रयास को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है।

मैं एक बार फिर इस बात पर जोर देता चाहता हूँ कि हमारे सभी रिफाइनिंग निवेशों में पेट्रोरसायन का एकीकरण महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊर्जा रूपांतरण में अनिश्चितताओं के कारण जोखिमों को कम करना महत्वपूर्ण है। भारतीय पेट्रोरसायन की लगातार बढ़ती मांग तथा पेट्रोरसायन के उच्च और बढ़ते आयात को देखते हुए, भारतीय संदर्भ में यह पेट्रोरसायन के एकीकरण को और सुदृढ़ करता है। 2022 में, हमने 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन परियोजनाओं की घोषणा की, जिनमें पारादीप में 1.5 एमएमटीपीए यूनिट की एथिलीन क्षमता वाली एक विश्व स्तरीय दोहरी फीड क्रैकर यूनिट की एक



जैसलमेर में इंडियनऑयल का वेंचीकोट पवन ऊर्जा फार्म



मवनपुर खावर एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, विल्ली में इंडियनऑयल का 2 मे.वा. सौर ऊर्जा संयंत्र मौजूद है

कंपनी के अग्रिम पंक्ति के कार्यबल के लिए फेंकी हुई पीईटी बोतलों से बनी पर्यावरण-अनुकूल वर्दी का शुभारंभ

उपयुक्त भागीदार के सहयोग से परिकल्पना की जा रही है। भद्रक में एक वस्त्र परियोजना पर पहले से ही पारादीप में मौजूदा पीटीए (शुद्ध टेरफथलिक एसिड) और एमईजी. (मोनो एथिलीन ग्लाइकोल) व्यापार क्षेत्र में मूल्य बढ़ाने के लिए विचार किया जा रहा है।

हम अपनी पेट्रोरसायन खपत को बढ़ाते हुए, हम अपनी मौजूदा पेशकशों में हरित भावना को लगातार शामिल कर रहे हैं। हमने हाल ही में “अनबॉटल्ड” अभियान के तहत हमने विशेष रूप से अपने पांच लाख ईंधन स्टेशन अटेंडेंट और इंडेन एलपीजी गैस डिलीवरी कर्मियों के लिए डिजाइन की गई एक विशेष वर्दी लॉन्च की जो हरित विचार को बढ़ावा देगी। हम शीघ्र ही इस वर्दी को अपने हितधारकों के व्यापक वर्ग तक ले जाने का इरादा रखते हैं। इन वर्दियों को बनाने में इस्तेमाल की गई और फेंकी गई पीईटी बोतलों की रिसाइकलिंग करके प्राप्त पॉलिएस्टर से बनाया गया है। हम इन कपड़ों को बनाने में लगभग 2,000 टन पीईटी बोतलों की रिसाइकलिंग करने का इरादा रखते हैं, जो लगभग 100 मिलियन बोतलों के बराबर है।

अपने उत्पाद और सेवा क्षेत्र में हरित भावना को बढ़ावा देने के अलावा, प्रक्रियाओं और प्रचालनों में हरित हिस्से को बढ़ाना हमारे नेट जीरो लक्ष्यों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके लिए, स्थायी प्रचालन पर निरंतर ध्यान देना और पानी की खपत को कम करना महत्वपूर्ण है। हमारी मथुरा और गुजरात रिफाइनरियों के प्रचालन में पानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए साफ किए गए नगरपालिका अपशिष्ट जल का उपयोग अपनी तरह की अनूठी पहल है जिसका क्रांतिकारी प्रभाव होने जा रहा है। इस मॉडल को जल्द ही हमारी अन्य रिफाइनरियों में दोहराया जाएगा।

2023 का वर्ष, हमारे हरित संकल्प को मजबूत करने का वर्ष है, इसलिए परस्पर सहयोग और टोस साझेदारी का पता लगाकर इन पहलों को अगले स्तर तक ले जाने का दायित्व हम पर है। हम एक अलग अम्ब्रेला कंपनी बनाने का इरादा रखते हैं जो महत्वपूर्ण भागीदारों के साथ लाभकारी गठबंधन करेगी। यह हरित विकास के नए अवसरों का लाभ उठाएगा और इंडियनऑयल के ब्रांड मूल्य को भी सुदृढ़ करेगा।

इंडियनऑयल का स्थायी दृष्टिकोण व्यवसाय से परे फैला है जिसमें लोगों और इस धरती का हित शामिल है। इस विचार को आगे बढ़ाते हुए, हम भारत के संरक्षण इतिहास में सुनहरे अध्याय लिख रहे हैं। अपनी राष्ट्रीय पारिस्थितिकी विरासत को मजबूत करने में हमारी भूमिका की व्यापक रूप से सराहना और प्रशंसा की गई है।

हम इस परियोजना के तहत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के साथ मिलकर भारत को तेज, फुर्तीले चीते को देश में लाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। हमने अब तक देश भर के नौ चिड़ियाघरों में 24 भारतीय एक सींग वाले गैंडों को गोद लिया है और उन्हें खुशहाल और स्वस्थ जीवन जीने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। वाडिनार, गुजरात में समुद्री राष्ट्रीय उद्यान में मैग्रोव वृक्षारोपण के लिए सहायता देना, तमिलनाडु और ओडिशा में ओलिव रिडले कछुओं जैसी दुर्लभ प्रजातियों की रक्षा करना, वाडिनार में गुजरात तटीय क्षेत्र



में हमारी पाइपलाइनों को बदलने के दौरान कोरल का स्थानांतरण करना, सुंदरबन टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन ट्रस्ट (एसटीसीएफटी) के साथ सहयोग करना और गश्त को आधुनिक बनाने में सहायता करना कुछ उल्लेखनीय प्रयास हैं।

कुछ दिन पहले, इंडियनऑयल ने केंद्रीय क्षयरोग प्रभाग के सहयोग से उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गहन क्षयरोग उन्मूलन परियोजना को चलाने की ऐतिहासिक शुरुआत की थी। यह अभियान 2025 तक भारत में क्षयरोग को समाप्त करने के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करेगा, जो निर्धारित सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) से पांच साल पहले है। यह महत्वाकांक्षी अभियान उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लोगों को मुफ्त उच्च गुणवत्ता वाले क्षयरोग उपचार, देखभाल और सहायता सेवाओं के लिए स्थायी और समान पहुंच प्रदान करेगा।

मुझे यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि इंडियनऑयल द्वारा खेल जगत के लिए शुरू किए गए प्रयास जमीनी स्तर पर रंग लाने लगे हैं। उदाहरण के लिए, 15 अगस्त 2021 को हमारे ‘परिवर्तन-प्रिजन टू प्राइड’ अभियान के लॉन्च होने के बाद से, हमने 20 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में 1750 से अधिक कैदियों को प्रशिक्षण दिया गया है। लेकिन इन आंकड़ों से परे, ‘परिवर्तन’ के तहत यरवदा जेल, पुणे की शतरंज टीम की कहानी प्रेरणादायी है, जिन्होंने विश्व शतरंज महासंघ (एफआईडीई) द्वारा आयोजित कैदियों के लिए इंटरकॉन्टिनेंटल ‘चेस फॉर फ्रीडम’ ऑनलाइन चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। यहां तक कि आईओसियन खेल सितारे भी उत्कृष्टता के अपने चरम पर हैं, तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों, प्रशंसाओं और पदकों से नवाजे जा रहे हैं। खेलों को पोषित करने के हमारे प्रयासों को तब मान्यता मिली जब आईओसियन के खेल आइकन को शीर्ष सम्मानों से सम्मानित किया गया – जैसे कि शरथ कमल को खेल रत्न या लक्ष्य सेन और आर. प्रज्ञानंधा को अर्जुन पुरस्कार मिला।

परंपरागत रूप से ‘व्यवसाय से परे’ माने जाने वाले कई कदम समकालीन संदर्भ में, व्यवसाय को व्यापक स्थिरता के साथ बड़े उद्देश्य की ओर ले जाने के लिए आवश्यक हैं। इसलिए, इंडियनऑयल में, हम मानते हैं कि सुदृढ़ पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) से संबंधित चिंताएं इस बात का एक अभिन्न हिस्सा हैं कि आप कैसे व्यापार करते हैं, और दीर्घाविधि में कॉर्पोरेशन के लिए निरंतर मूल्य बढ़ाने के लिए एक टोस ईएसजी संरचना अनिवार्य है।

मैं इस अवसर पर शीघ्र आने वाले उच्चस्तरीय कार्यक्रम के बारे में बताना चाहूँगा जिसका वैश्विक ऊर्जा जगत को इंतजार है। इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) का उद्घाटन समारोह 6 और 8 फरवरी 2023 के बीच बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। इस का उद्देश्य दुनिया भर से पारंपरिक और गैर-पारंपरिक ऊर्जा उद्योगों के विशेषज्ञों को एक मंच प्रदान करना है जो भारत की ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं को मूर्त रूप देगा, इसे ऊर्जा रूपांतरण के लिए एक वैश्विक पॉवरहाउस और एक केंद्र के रूप में प्रदर्शित करेगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के जी20 अध्यक्ष बनने के बाद से यह पहला प्रमुख वैश्विक ऊर्जा कार्यक्रम है, और मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इंडियनऑयल पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से इस मेगा इवेंट का संचालन करेगा। आप इंडिया एनर्जी वीक की जानकारी हासिल करते रहें जो विभिन्न संचार प्लेटफॉर्मों के माध्यम से आप तक पहुंचेगी।

मैं इस बात पर जोर देना चाहूँगा कि हम एक ऊर्जा क्रांति के मध्य में हैं और आईओसियन भारत में इस क्रांति के कमांडर हैं। टीम इंडियनऑयल महान उपलब्धियां हासिल करने के लिए तैयार है, लेकिन भविष्य की महानता की नींव आज ही साथ मिलकर रखनी होगी और इसलिए, मैं आपके विचारों, सपनों और सरोकारों को जानना चाहता हूँ। अब तक आप मुझसे योरस्पेस प्लेटफॉर्म से जुड़ते रहे हैं, जो अब सी2सी – कनेक्ट2चेयरमैन के रूप में है। यह केवल नया रूप नहीं है, बल्कि प्लेटफॉर्म को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीक का उपयोग करके इसे और कारगर बनाया गया है। मैं चाहता हूँ कि आप अपने विचारों और राय को साझा करें जो हमारी प्रक्रियाओं और नीतियों को बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए प्रेरक शक्ति रही हैं। तो आज ही प्लेटफॉर्म पर लॉग ऑन करें और मेरे साथ जुड़ें!

मुझे इस बात की भी खुशी है कि इंडियनऑयल ने एक बेजोड़ बॉन्डिंग पहल, आईओसियन2गेदर शुरू की है, जिसे एकल कर्मचारियों को कनेक्ट करने और इंडियनऑयल परिवार में से जीवन साथी की तलाश करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका लक्ष्य काम और जीवन की साझेदारी बनाना और इंडियनऑयल के साथ और हमेशा के लिए जुड़े रहना है।

हम अपने सामाजिक उत्तरदायित्व मैट्रिक्स का व्यापक रूप से विस्तार कर रहे हैं और व्यक्तिगत सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से अधिक से अधिक कर्मचारियों की भागीदारी का लक्ष्य इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आज एक नया कार्यक्रम

‘हमराही’ लॉन्च किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान कर्मचारियों को 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ जोड़ना है, जिन्हें सहारे और साथ की आवश्यकता हो सकती है। यह कार्यक्रम ‘वन्स एन आईओसियन, ऑलवेज एन आईओसियन’ के हमारे मंत्र का प्रतीक है और हमारे संगठन में संरक्षण और ‘केयर’ की भावना को मजबूत करता है। आप इस कार्यक्रम के लिए स्वेच्छा से आगे आएँ और हमारे सम्मानित दिग्गजों के जीवन में खुशी और मुस्कान लाएं तथा हमारे बंधन और मूल्यों को मजबूत करें।

इंडियनऑयल के मूल्यों को पहचानना और उनका जश्न मनाना आवश्यक है, जिन्होंने 2009 में अपनाए जाने के बाद से हमारे उत्थान और समाज के विकास में बहुमूल्य योगदान दिया है। संरक्षण, नवपरिवर्तन, लगाव और विश्वास के ये मूल्य हमारी कंपनी के डीएनए में गहरे से समाए हैं।

मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस वर्ष से हम हर साल 30 जून को इंडियनऑयल मूल्य दिवस के रूप में मनाएंगे। यह हमारे लिए पेशेवर और व्यक्तिगत रूप से इन सुनहरे मूल्यों के प्रति खुद को फिर से प्रतिबद्ध करने का अवसर होगा। हमारे मूल्य 12 वर्षों से अधिक समय से हमारे साथ हैं और ध्रुव तारे की तरह हमारे पथ को आलोकित कर रहे हैं। परिवर्तन की बयार के गति पकड़ने के साथ, मैं प्रत्येक आईओसियन से संरक्षण, नवपरिवर्तन, लगाव और विश्वास से परे एक मूल्य को प्रतिबिंबित करने और प्रस्तावित करने का आग्रह करूँगा, जो आपको लगे कि इंडियनऑयल के लिए अद्वितीय है। हम जल्द ही इस बारे में विवरण साझा करेंगे कि आप उस मूल्य को कैसे साझा कर सकते हैं जो आपके विचार में हर आईओसियन को अपनाना चाहिए।

मैं हाल ही में फीफा विश्व कप से सीखे गए अपने सबसे बड़े सबक को आपके साथ साझा करता हूँ। खेल के शुभंकर लर्डब ने तीन शक्तिशाली शब्दों ‘नाउ इज ऑल’ में निरंतर महानता के प्रमुख पहलू को रेखांकित किया। यह मंत्र भविष्य की महानता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ‘इसी क्षण अपना सर्वश्रेष्ठ देने’ के महत्व को दर्शाता है। भविष्य की महानता के बीज हमारे हृदय और आत्मा में निहित हैं। आइए, संरक्षण, नवपरिवर्तन, लगाव और विश्वास के साथ उनका पोषण करें। आइए, 2023 को भारत की ऊर्जा नियति के नियंता बनने के हमारे इरादे को प्रदर्शित करें। कल के इंडियनऑयल का नेतृत्व करने के लिए अपने जुनून और उत्साह की ताकत का उपयोग करें!

एक बार पुनः आपको और आपके परिवार को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

धन्यवाद

जय हिन्द!

एस.एच. वैद्य

श्रीकांत माधव वैद्य
अध्यक्ष, इंडियनऑयल

01 जनवरी 2022

कूनों राष्ट्रीय उद्यान में
नामीबिया से आए पहले
चीता के साथ चेयरमैन





IndianOil

www.iocl.com



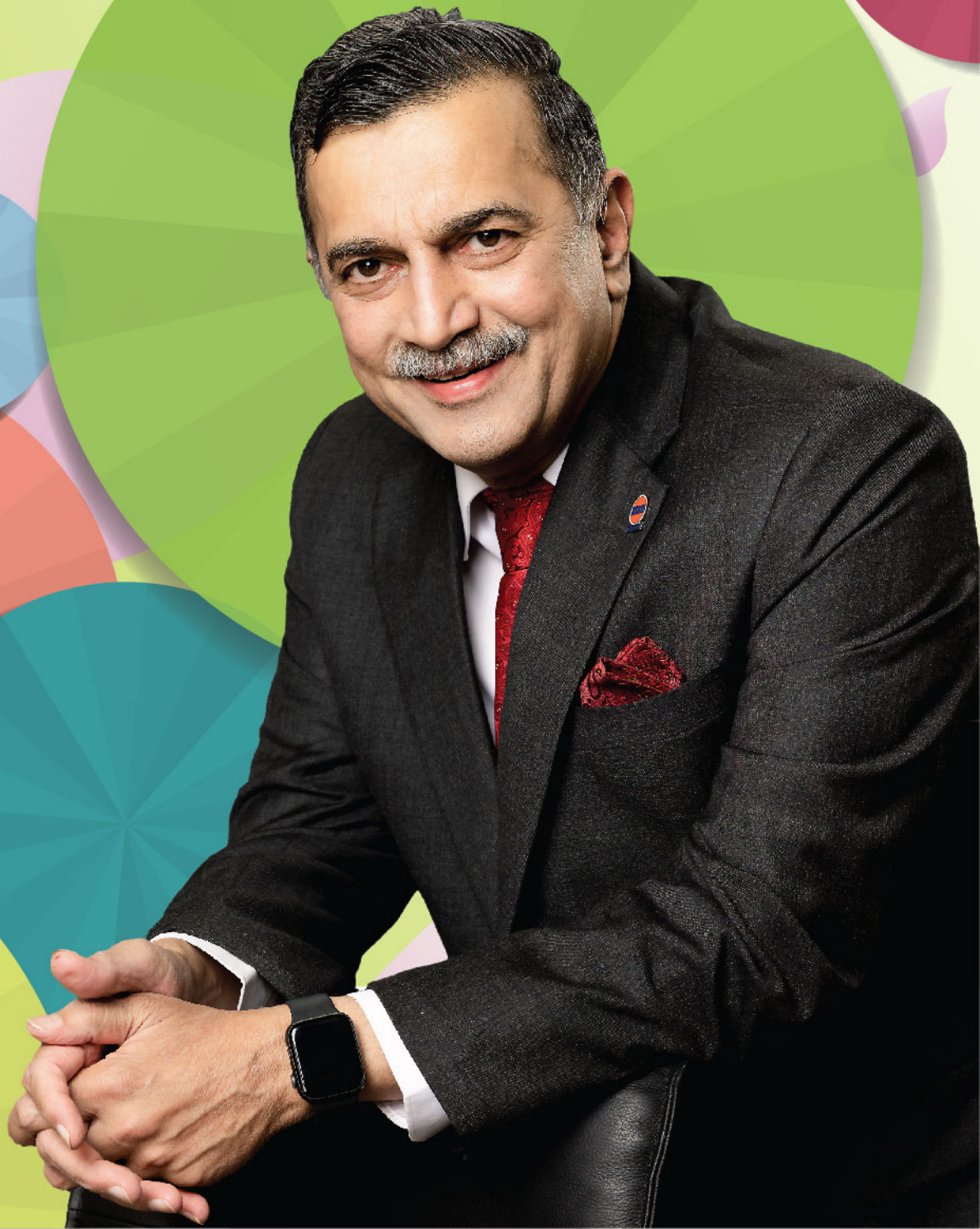
IndianOil

2023

STRENGTHENING THE
GREEN RESOLVE

Determined to Deliver a Green Future

**CHAIRMAN'S
MESSAGE ON
NEW YEAR
2023**



**My Dear IOCIans,
Wish you a blissful & happy, 2023!**

A brand-new year is here that has ushered in new opportunities to explore, fresh perspectives to mull over, and new windows to look through. In the words of the celebrated writer Maya Angelou, "The horizon leans forward, offering you space to place new steps of change". So, let's welcome 2023 with a heart brimming with hope and a mind filled with goals and resolutions to make the most of it.

Every year brings in the resolve to create a better version of ourselves than the year before. This optimism holds equally true for teams, organisations and communities. Speaking on behalf of the IndianOil family, I can proudly say that 2022- The Year of Crafting Green Future," saw us reaching new heights in the traditional business while unravelling phenomenal green initiatives. This year, we take this forward with greater focus and intent.

Ladies and gentlemen, I am delighted to declare 2023 as the year of **"Strengthening the Green Resolve."** Going forward, we will be immersing ourselves in new green opportunities and leverage the power of collaborations to strengthen our purpose. After all, earnest resolves achieve fruition only when we have the strength and conviction to back them up with concrete actions.

Last year, during our 63rd Annual General Meeting, we declared IndianOil's commitment to reach the Net Zero Operational milestone by 2046. It was a watershed moment in IndianOil's journey of excellence and transition. For over a century, the energy business has been the prime mover for global economies. But the social and environmental stewardship of the industry hasn't been as pivotal as it is in the current times. Today, the global transition towards a cleaner, greener and healthier tomorrow, rests on the shoulders of the energy industry and as the industry leader, IndianOil must power India's Net Zero goal by 2070. It is a matter of pride that IndianOil is one of the few corporates working with a definitive action plan for achieving our net zero commitments.

Looking back, 2022 was indeed extraordinary as we closed the last financial year by notching up the highest-ever Revenue from Operations and the highest-ever Net Profit, despite the steep challenges and transitions. We celebrated the Golden Jubilee milestones of SERVO and our R&D Centre. We took the first steps towards forging a groundbreaking collaboration with L&T & ReNew Power to vitalise India's green hydrogen aspirations; and with NTPC for green power. We scripted several other glorious chapters of energy



**IndianOil announces to achieve
Net-Zero Operational Emissions by the year**

2046

innovation that significantly boosted the nation's Aatmanirbhar aspirations. It was therefore a great leap forward in self-reliance, when the first parcel of the indigenously produced AVGAS-100LL was dispatched from Gujarat Refinery for Indian Airforce's Hindon Airbase in September. The fuel is used by Flying Schools for piston engine aircraft was earlier being imported. The indigenous availability of the special fuel has once again amplified IndianOil's leadership and innovation acumen. In fact, we have now secured the first export order and thus India has emerged as an exporter from being an importer of this product, in a short time span. We are incredibly proud to have strengthened the vision of 'Make in India for the world'.

Last year, was also significant for several era-defining steps to cement our leadership position in green energy. To this end, Biofuels, have shown great promise and potential to offer new-age sustainable energy solutions. As they utilise agricultural waste and residue, they can boost rural India's socio-economic growth journey. IndianOil 2G Ethanol Plant in Panipat, which is



Chairman with Young IOCIans at Panipat Refinery

Asia's first second generation ethanol bio-refinery, will help cut down about three lakh Metric Tonnes of GHG (Greenhouse Gas) emissions every year. It's commissioning activities have already commenced and it is poised to produce three crore litres of ethanol per annum by utilising about two lakh tonnes of paddy straw. Our 3G Ethanol Plant at Panipat is also at an advanced stage of commissioning. Given the focus on ethanol blending, these projects will be pivotal. Here, let me add that last year the Energy PSEs achieved the 10% Ethanol blending target in June, six months ahead of schedule. This year, we will take this mandate forward as we will very soon be selling up to 20% Ethanol Blended Petrol (EBP) from select Fuel Stations. By 2025, we aim to achieve a 20% blending target throughout the nation.

Team IndianOil is also carrying forward the biofuel momentum to add pioneering touches of green in conventional fuels beyond petrol and diesel. In Panipat, we plan to set up a Sustainable Aviation Fuel plant in collaboration with Lanza Tech and Lanza Jet. Last year in October, we signed the Statement of Intent in the presence of Union Petroleum Minister to get this remarkable drive going.

We are also excited about the potential for renewable energy in India. With the abundance of sun and wind, IndianOil is well-positioned to scale up the renewable capacity from the current 240 MW to nearly 5 GW by 2026 and 12 GW by 2046. This will be one of the main enablers of our net zero journey. In the year ahead, we will be forming a JVC with NTPC Green Energy Limited for steering Renewable Energy based Power Projects to meet the 650 MW power requirement of IndianOil refineries.

In the long run, one potential game-changer I have often discussed is Hydrogen mobility. India is well-positioned to become a leader in the field, and IndianOil will play a pivotal role. We have set up India's first Hydrogen dispensing station in Gujarat Refinery, which can fuel up to 75 buses per day. Two buses have already started operating on a trial

basis. Our teams have also been working diligently to develop indigenous fuel cell technology, and trials are currently on for its integration with fuel cell buses. We will soon be plying 15 fuel cell buses in NCR to establish the technology's efficacy, efficiency, and other performance parameters. The first set of two buses are expected to be delivered later this month.

While we accelerate our green drive, our thrust on the traditional fuel business continues. In fact, the tumultuous geopolitical events of 2022 showed how even the developed economies had to rearrange their energy baskets and lean back towards conventional fuels. I am incredibly proud to say that IndianOil, played its role as the 'Energy of India' in letter and spirit and helped the nation withstand the energy shocks commendably. Given the lucratively high product cracks, the private players curtailed domestic supplies and started exporting the fuels to maximise profits amidst the crisis. IndianOil, on the other hand, went all out to compensate the shortfall by enhancing fuel imports and even during the peak geopolitical crisis, our teams ensured smooth supplies and it was business as usual for our 35,000 Fuel Stations.

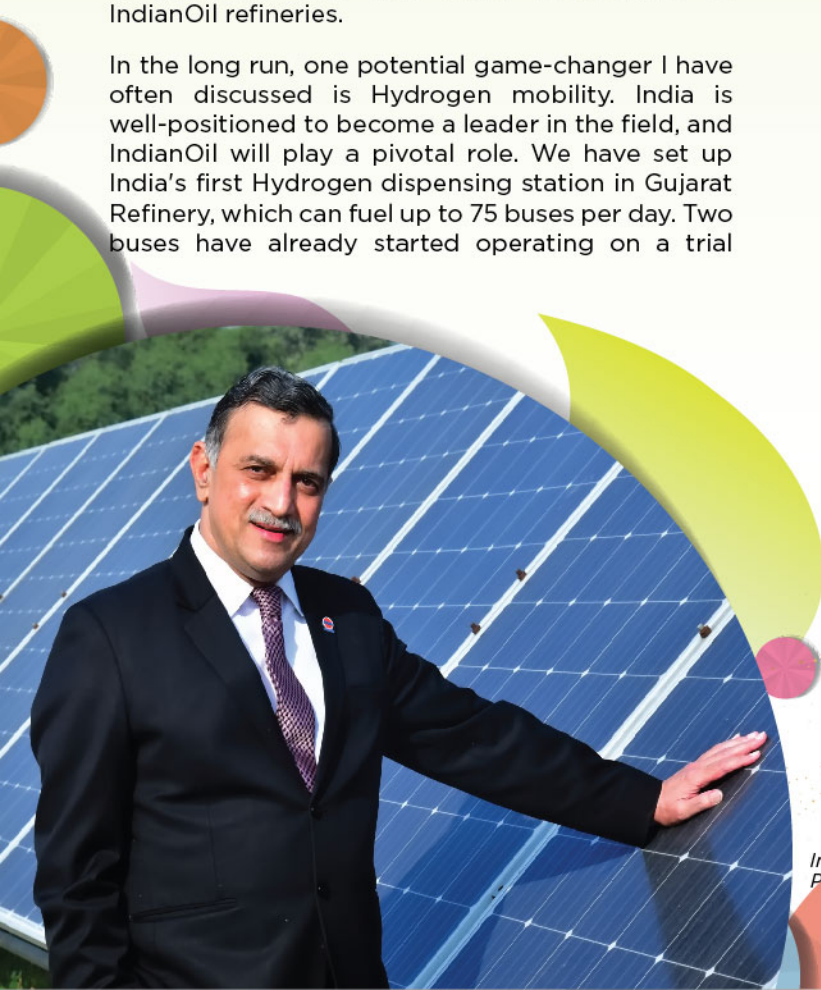
These geopolitical ripples and the cascading effect of the pandemic has firmly validated our aggressive investment in the refining and petrochemical sphere. Let me assure you that our proactive forays will certainly strengthen our business leadership in the long run.

These investments reflect our focus on harnessing the immense opportunities that await us in the next couple of decades. During the year 2022, the IndianOil Board greenlighted projects worth over Rs 32,000 crores. Some of these projects are aimed at enhancing our bitumen production capacity significantly. This is vital given the Government of India's concerted push to improve India's connectivity and expand the highway network.

Let me reiterate that petrochemical integration is critical for our refining investments as it is vital to cushion us from the uncertainties in the times of energy transition. In 2022, we announced significant petrochemical projects worth over Rs. 15,000 crore that include world-scale Dual Feed Cracker Unit with an ethylene capacity of 1.5 MMTA unit at Paradip in collaboration with a suitable partner. A Textile Project at Bhadrak is



Devikot Wind Farm of IndianOil in Jaisalmer



IndianOil's Madanpur Khadar LPG Bottling Plant has a 2MW Solar Power Plant

Launch of eco-friendly uniform, made from discarded PET bottles, for the company's frontline workforce

already on the cards to add value to IndianOil's existing PTA (Purified Terephthalic Acid) and MEG (Mono Ethylene Glycol) business lines at Paradip.

While we expand our Petrochemical footprint, we continue to blend the spirit of green into our existing offerings. On the service front, we recently witnessed the "Unbottled" campaign through which we launched a special "sustainable & green" uniform exclusively designed for our five lakh Fuel Station Attendants and Indane delivery personnel. We intend to take this green dress to a wider section of our stakeholders shortly. The dress materials for these uniforms have been extracted from used & discarded PET bottles. We intend to support recycling about 2,000 tonnes of PET bottles which is equivalent to around 100 million bottles, by merchandising these green clothing.

Besides weaving the spirit of green into our product and service bouquet, we are constantly enhancing the green quotient in our processes and operations, in light of our Net Zero goals. An uninterrupted focus on sustainable operations and reducing our water footprint will be vital. In a unique initiative coming up at our Mathura and Gujarat Refineries, treated Municipal wastewater will cater to the operational water requirement. This model will have a revolutionary impact in reducing the water footprint and will soon be replicated at our other refineries.

In 2023, the year of strengthening our green resolve, the onus is on us to take these growth drivers to the next level by synergistic collaborations and strong partnerships. We intend to form a distinct umbrella entity that will bring in fruitful tie-ups with strategic partners. This will leverage newer opportunities for green growth and also strengthen IndianOil's brand value.

IndianOil's sustainable vision extends beyond business encompassing the progress of people and the planet. Taking this thought forward, we are scripting golden chapters in India's conservation history. Our role in strengthening our national ecological heritage has been widely applauded and appreciated.

We are playing a leading role in reintroducing the swift, agile and graceful Cheetah to India collaborating with National Tiger Conservation Authority on this historical project. We have also adopted 24 Indian single-horned rhinos at nine zoos across the country till date, providing them with the resources they need to live happy and healthy lives. Supporting mangrove plantations at the Marine National Park in Vadinar, Gujarat, protecting vulnerable species such as the Olive Ridley Turtles in Tamil Nadu and Odisha, translocating corals while replacing our pipelines in



the Gujarat coastal belt in Vadinar, collaborated with the Sundarban Tiger Conservation Foundation Trust (STCFT) to support the modernisation of patrolling in Sundarban Tiger Reserve, are some noteworthy endeavours.

A couple of days back, IndianOil embarked on historic journey to steer the Intensified TB Elimination Project in Uttar Pradesh and Chhattisgarh in collaboration with Central TB Division. The drive will bolster Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's vision to end Tuberculosis in India by 2025, five years ahead of the Sustainable Development Goal (SDG). This ambitious campaign offers sustainable and equitable access to free high-quality TB treatment, care, and support services to the people of Uttar Pradesh and Chhattisgarh.

I am also delighted to share that IndianOil's sports endeavours are yielding fascinating on-ground results. For instance, since the launch of our 'Parivartan-Prison To Pride' campaign on 15th August 2021, we have coached over 1750 inmates in 20 states and 5 Union Territories, but, what stands out are inspiring tales of the Chess Team from Yerawada Prison, Pune, that secured the Bronze medal at the Intercontinental 'Chess for Freedom' Online Championship for Prisoners, organized by the World Chess Federation (FIDE). Even the IOCian sports stars have been on a roll, and awards, accolades and medals have continued to flow at national and international levels. Our efforts to nurture sports get validated when IOCian sports icons are greeted with the top honours - like Sharath Kamal's Khel Ratna or Lakshya Sen and R Praggnanandhaa's Arjuna awards.

Having spelt out these special endeavours, let me point out that while they are traditionally considered as 'going beyond the business', in the contemporary context, they are essential in driving the business towards a greater purpose with enhanced sustainability. Thus, at IndianOil, we believe that strong Environmental, Social, and Governance (ESG) related concerns are an inextricable part of how you do business, and a strong ESG proposition is imperative to create

sustained value for the Corporation in the long run.

Let me take this opportunity to touch upon the marquee energy extravaganza that awaits the global energy fraternity; the inaugural edition of the India Energy Week (IEW) that will be hosted at Bengaluru between the 6th and 8th of February 2023. India Energy Week aims to be the platform for experts in the traditional and non-traditional energy industry from around the world and will embody India's energy ambitions, showcasing it as a global powerhouse for energy transition and a hub that brings together the international energy industry. More importantly, this is the first major global energy event since India's ascent to the G20 presidency, and I am proud to share that IndianOil will be steering this mega event on behalf of the MoP&NG. So please stay tuned to the IEW updates that will reach you through different communication platforms.

Let me underscore that we are amid an energy revolution and that IOCIans are the commanders of this revolution in India. Team IndianOil is poised for great feats, but the foundation of future greatness must be laid together and thus I seek your ideas, dreams, and concerns. YourSpace platform where you would connect with me has now given way to C2C - Connect2Chairman. It is not a mere facelift; rather the platform has been streamlined infusing technology to make it more effective. I would like you to share your ideas and opinions that have been the driving force for making our processes and policies in sync with the changing times. So log on to the platform today and connect with me!

I am also delighted that IndianOil has unrolled an unmatched bonding initiative, IOCIans2gether, designed to help single employees to seek life partners from the IndianOil family. The goal is to create work and life partnerships and stay bonded with IndianOil together and forever.

We have also been expanding our social responsibility matrix and aiming for greater employee participation through the avenue of

Individual Social Responsibility. Today a new program, Hamrahi, is being launched. This program aims to connect the current employees with superannuated veterans aged 70 and above who may need support and company. This program embodies our mantra of 'Once an IOCIan, Always an IOCIan' and enhances the Care and empathy quotient in our organization. Do volunteer for this program and bring in joy and smiles in the lives of our esteemed veterans and strengthen our bonds and values.

It is essential to recognize and celebrate the IndianOil core values that have supported our vision and ascent since their adoption in 2009. The values of Care, Innovation, Passion, and Trust are deeply ingrained in the DNA of our company and our people. I am pleased to announce that starting this year; we will observe 30th June every year as IndianOil Values Day. This will be occasion for us to recommit ourselves to these golden values-professionally and personally our Core Values have been with us for more than 12 years now and have been lighting our path like the pole star. With the winds of transition gaining momentum, I would urge each IOCIan to reflect and propose a value beyond Care, Innovation, Passion, and Trust that you think is truly unique to IndianOil. We will soon convey how you can share the value you would the Company to espouse while we stay focused on strengthening IndianOil in the years ahead.

Let me share with you my greatest takeaway from the recent FIFA World Cup. La'eeb, the mascot of the games, underscored the key ingredient of sustained greatness in three powerful words "Now is All". This mantra urges us to 'give your best at this very moment', that'll pave the way for future greatness. The seeds of attaining greatness lie within our hearts and souls. Let's nurture them with Care, Innovation, Passion and Trust. Let 2023 demonstrate our determined intent to drive India's energy destiny. Harness the power of your passion to lead the IndianOil of tomorrow!

Once again, my best wishes to you and your families on the New Year!

Thank You

Jai Hind!

1st January 2023


Shrikant Madhav Valdya
Chairman, IndianOil

Chairman with first Cheetah that arrived at Kuno National Park from Namibia





INDIAN OIL CHAMPION



IndianOil

www.iocl.com